



हमारा घर, हमारा विद्यालय

बच्चा एवं माता

शिक्षण एवं प्रशिक्षण

क्र.सं.	विषय	विषय	विषय	विषय	विषय	विषय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण						
1	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
2	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
शिक्षण एवं प्रशिक्षण						
3	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
4	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
शिक्षण एवं प्रशिक्षण						
5	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
6	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
शिक्षण एवं प्रशिक्षण						
7	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
8	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
शिक्षण एवं प्रशिक्षण						
9	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण
10	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण	शिक्षण	प्रशिक्षण



ab padhai nahi rukegi

“हमारा घर, हमारा विद्यालय”

कार्यक्रम पर चर्चा



राज्य शिक्षा केंद्र,
स्कूल शिक्षा विभाग, मध्य प्रदेश

27 जून 2020

COVID स्थिति में छात्रों के निर्बाध सीखने को सुनिश्चित करने के लिए राज्य ने कई कार्यक्रम शुरू किए हैं

- व्हाट्सप के माध्यम से डिजिलेप – यानी डिजिटल लर्निंग इन्हांसमेंट प्रोग्राम
- रेडियो के माध्यम से रेडियो स्कूल
- DD MP पर शैक्षिक सामग्री का प्रसारण
- पिछले साल की दक्षता उन्नयन वर्कबुक का ग्रीन जोन में वितरण
- शिक्षकों द्वारा बच्चों को दैनिक आधार पर फोन से संपर्क करना और उनकी पढ़ाई में सहायता करना

इन कार्यक्रमों को सफल बनाने में आप सभी की अहम भूमिका रही है

पिछले 3 महीनों में DigiLEP पर अच्छी प्रगति हुई है

1. अब हमारे पास 50000 से अधिक व्हाट्सएप समूहों का एक नेटवर्क है जो छात्रों की शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए छात्रों के माता-पिता को राज्य से जोड़ता है।
2. इन व्हाट्सएप ग्रुप्स में अब 19 Lakh से ज्यादा स्टूडेंट्स के माता-पिता हैं।
3. शुरू में लगभग 2 लाख की दैनिक औसत व्यूअरशिप के साथ शुरुआत करते हुए, अब हम पिछले कुछ हफ्तों में प्रति दिन 6.5 लाख तक की व्यूअरशिप तक पहुँच चुके हैं।
4. प्रोग्राम में अच्छी तरह से अपनी जिम्मेदारियों का परिपालन करने के लिए कई मैदानी सहयोगियों को प्रशस्ति पत्र भी दिए गए हैं।

अब हमें डिजीएलईपी को और अधिक बच्चों तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास करते रहना होगा

COVID के कारण उत्पन्न हुई परिस्थिति

1. सामान्य ग्रीष्मावकाश शीघ्र ही समाप्त होने पर आने वाले महीनों में हमें शिक्षा को ढांचाबद्ध और प्रभावी बनाना होगा जो विद्यार्थियों और शिक्षकों, दोनों को एक रूटीन दे
2. हमें सुनिश्चित करना होगा की हम डिजिटल माध्यमों से जुड़े विद्यार्थियों और शेष विद्यार्थियों के बीच पढ़ाई में फासला नहीं बढ़ने दे
3. हमें अपने सारे वर्तमान विभिन्न माध्यमों – रेडियो, टीवी, डिजिलेप – के बीच सामंजस्य करना होगा और छात्रों को वितरित की जा रही पाठ्यपुस्तिका और कार्यपुस्तिका से इन कार्यक्रमों के कंटेंट को जोड़ना होगा

जुलाई से, छात्रों के पास मौजूदा संसाधनों के अलावा उनकी पाठ्यपुस्तकें होंगी

अप्रैल से जून के महीनों में, छात्रों के पास उपलब्ध प्रमुख शिक्षण संसाधन रेडियो, मोबाइल, टीवी और करार्यपुस्तिका थे। हमारा मुख्य शैक्षिक कार्यक्रम इन संसाधनों पर केंद्रित था।

अब, अगले कुछ दिनों में सभी छात्रों को पाठ्यपुस्तकें वितरित की जा रही हैं।

तो, जुलाई के महीने से प्राथमिक शिक्षण संसाधन छात्र की पाठ्यपुस्तक और कार्यपुस्तिका होगी, जो अन्य सभी शिक्षण संसाधनों (रेडियो, टीवी, मोबाइल) द्वारा सामंजस्यपूर्ण तरीके से समर्थित होगी।

इन मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, हम 'हमारा घर, हमारा विद्यालय' कार्यक्रम की व्यवस्था कर रहे हैं

- बच्चे विद्यालय न जाकर अपने घर में ही रहकर विद्यालय जैसा अनुभव करते हुए पढ़ाई करें, ऐसी स्थिति में परिवार के सदस्यों, बड़े भाई-बहनों के साथ-साथ शिक्षकों का भी यह दायित्व होगा कि वे बच्चों का उत्साह वर्धन एवं मार्गदर्शन करें। बच्चों के लिए उनका घर प्रथम पाठशाला है।
- विद्यार्थी अपने घर के वातावरण, परिवेश, परिवार के बड़े-बूढ़ों, चारों ओर हो रही गतिविधियों तथा खिलौनों आदि से अनेक बातें सीखते हैं जैसे-आपस में बातचीत करना, परिवेश की वस्तुओं की जानकारी, पशु-पक्षियों की पहचान, बड़ी-छोटी वस्तुओं में अन्तर आदि। बच्चों के नवीन शब्द भण्डार में भी वृद्धि होती है।

कक्षा 1-8 में संचालन की योजना (1/2)

- पालकों के सहयोग से विद्यार्थी अपने घर में एक नियत कक्ष/स्थान पर प्रतिदिन प्रातः 10:00 से दोपहर 1:00 बजे तक बैठकर गतिविधियों करेंगे।
- पढ़ने, लिखने, गतिविधि करने, रेडियो कार्यक्रम सुनने, तथा DigiLEP के माध्यम से दिए जा रहे वीडियो अनुसार कार्यक्रम संचालित किया जाना है।
- सभी विद्यार्थियों के लिए "हमारा घर, हमारा विद्यालय" कार्यक्रम का शुभारम्भ 06 जुलाई 2020 से हो रहा है।
- कार्यक्रम का प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे पालक द्वारा अपने घर में घण्टी/थाली बजाकर प्रारम्भ किया जाना है, इसी प्रकार दोपहर 1:00 बजे घण्टी/थाली बजाकर अवकाश किया जाना होगा इससे बच्चों को घर में ही विद्यालय का आभास होगा।
- सायं 4:00 से 5:00 बजे तक सभी विद्यार्थियों के लिए खेलकूद, कलात्मक गतिविधियों के लिए समय निर्धारित होगा जो उन्हें दी जा रही सूची के अनुसार करना होगा।
- सायं 7:00 से 8:00 बजे तक अपने घर के बड़े-बूढ़ों से कहानी/किस्से सुनना एवं उन्हें अपनी भाषा में लिखना।
- प्रत्येक शनिवार को "मस्ती की पाठशाला" में निर्देशानुसार रोचक गतिविधियाँ करना।

कक्षा 1-8 में संचालन की योजना (2/2)

- एक साप्ताहिक समय सारणी शिक्षकों और छात्रों को DigiLEP समूहों, और अन्य सभी साधनों के माध्यम से भेजी जाएगी। इस समय सारणी में, छात्रों के लिए दिन-वार, विषय-वार सीखने के लक्ष्यों को परिभाषित किया जाएगा, साथ ही सीखने का समर्थन करने के लिए विभिन्न साधनों का प्रावधान किया जाएगा।
- सप्ताह की समय सारणी पूर्ववर्ती सप्ताह में सभी शिक्षकों और छात्रों के साथ साझा की जाएगी अर्थात् 6-11 जुलाई के सप्ताह की योजना 5 जुलाई तक साझा की जाएगी। और समय सारणी के विभिन्न हिस्सों को समय समय पर रेखांकित किया जायेगा।
- इस योजना में पर्याप्त खाली दिन / सशोधन दिवस होंगे, जहां शिक्षक यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जिन छात्रों को अधिक समय और समर्थन की आवश्यकता है, वे इसे प्राप्त करें। शिक्षक उन लोगों को अतिरिक्त काम दे सकते हैं जो शिक्षण सामग्री को तेजी से पूरा करने में सक्षम हैं।
- सीखने की जरूरतों में अंतर को ध्यान में रखते हुए, हम ग्रेड समूहों 1-2, 3-5 और 6-8 के लिए एक अलग अध्ययन योजना बनाएंगे।

अब हम साप्ताहिक समय सारणी के
प्रारूप को देखेंगे और समझेंगे

इसके अतिरिक्त, अब छात्र व्हाट्सएप पर ही विद्युत प्राप्त और हल कर पाएंगे

- हम एक ऐसी प्रणाली स्थापित कर रहे हैं, जहाँ छात्र समय सारणी में अध्ययन की गई अवधारणाओं से संबंधित विद्युत व्हाट्सएप पर ही प्राप्त कर सकेंगे।
- ये विद्युत व्हाट्सएप पर ही प्राप्त होंगे, एक व्हाट्सएप नंबर पर एक छोटा संदेश भेजकर। राज्य कुछ ही दिनों में इस नंबर को सभी के साथ साझा करेगा।
- छात्र व्हाट्सएप पर ही इन विद्युत को हल करेंगे, अपने फोन पर विद्युत में दिए गए निर्देशानुसार बटन दबाकर।
- ये व्हाट्सएप आधारित विद्युत छात्रों को अपनी अवधारणाओं को सुदृढ़ करने और शिक्षकों के लिए अपने छात्रों के प्रदर्शन को ट्रैक करने का एक अच्छा तरीका होगा।
- जिन छात्रों के पास मोबाइल नहीं है, शिक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि इन छात्रों का भी निश्चित समय पर मूल्यांकन किया जाए। कोई भी छात्र मोबाइल न होने के कारण पीछे नहीं छूटना चाहिए।

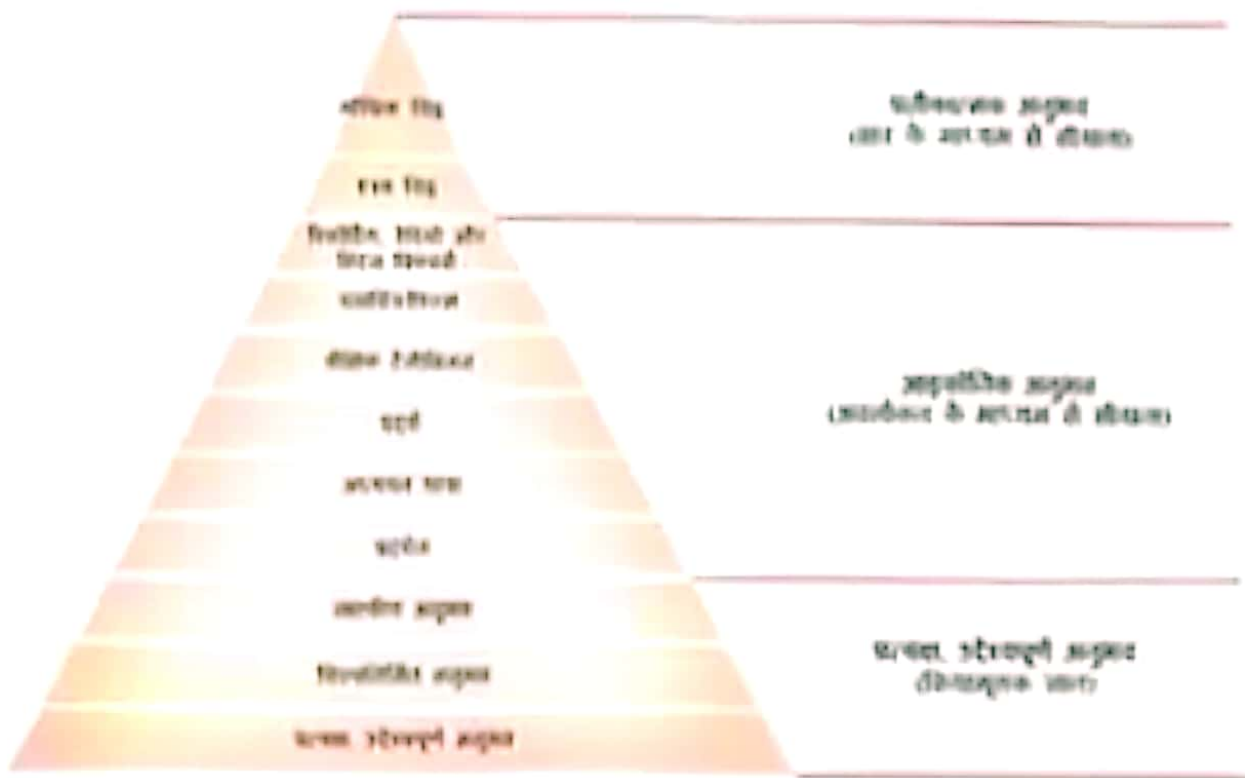
परिवार की जिम्मेदारी

- प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे घण्टी/थाली बजाकर विद्यालय प्रारम्भ एवं दोप. 1:00 बजे अवकाश करना
- निर्धारित समय पर बच्चों को निर्धारित विषय का कार्य करने हेतु प्रेरित करना
- बच्चों को आवश्यक सामग्री यथा पेंसिल, कापी, आदि उपलब्ध कराना
- बच्चों के लिए घर में एक स्थान निर्धारित करना जहाँ बैठकर बच्चा अपनी गतिविधियों, अध्ययन एवं अभ्यास कार्य करेंगे (शिक्षा का कोना)
- बच्चों को कार्यक्रम के समय मोबाईल एवं रेडियो कार्यक्रम के सुनने हेतु यथा सम्भव रेडियो की सुविधा उपलब्ध कराना

शिक्षक की जिम्मेदारी

- हर सप्ताह, यह सुनिश्चित करना की प्रत्येक बच्चे को साप्ताहिक अध्ययन योजना प्राप्त हो गयी है। इस योजना में पर्याप्त खाली दिन / सशोधन दिवस होंगे, जहां आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि जिन छात्रों को अधिक समय और समर्थन की आवश्यकता है, वे इसे प्राप्त करें। उन लोगों को अतिरिक्त काम दें जो नामित सामग्री को तेजी से पूरा करने में सक्षम हैं।
- प्रतिदिन अपने विद्यालय के कम से कम 05 विद्यार्थियों से मोबाइल के माध्यम से चर्चा कर शिक्षण प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त कर आवश्यक सुझाव देंगे तथा रिकार्ड संचारित करेंगे।
- प्रतिदिन विद्यालय समय में गाँव/शहर के एक मोहल्ले/वार्ड/क्षेत्र में कम से कम 05 बच्चों के घर-घर जाकर सम्पर्क अभियान के रूप में "हमारा घर, हमारा विद्यालय" के कार्य का अवलोकन एवं बच्चों के अभ्यास कार्य, दक्षता उन्नयन वर्कशीट, हिन्दी-अंग्रेजी लेखन तथा मौखिक गणित का आकलन करेंगे तथा फीडबैक देंगे।
- अवलोकन के समय बच्चों से उनकी समस्याएँ पूछेंगे एवं उनका समाधान कर नियमित अभ्यास हेतु प्रेरित करेंगे।

सभी शिक्षकों के लिए छात्र की सीखने की प्रक्रिया को समझना महत्वपूर्ण है



DigiLEP में शिक्षकों की भागीदारी की स्थिति

DigiLEP Bhagidari Form में शिक्षकों से प्राप्त रिस्पॉन्स के आधार पर बनाया गया विश्लेषण

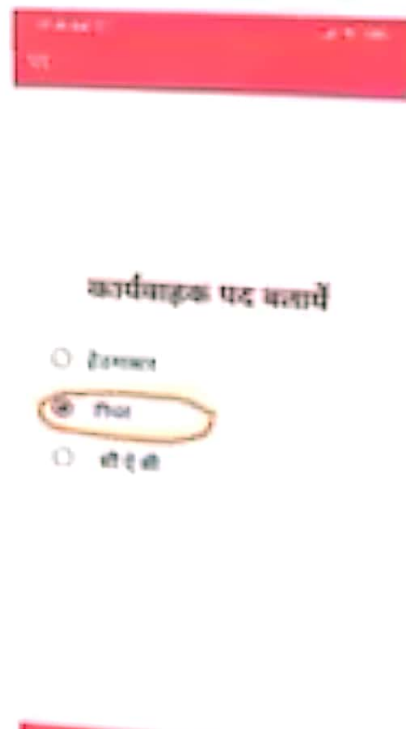
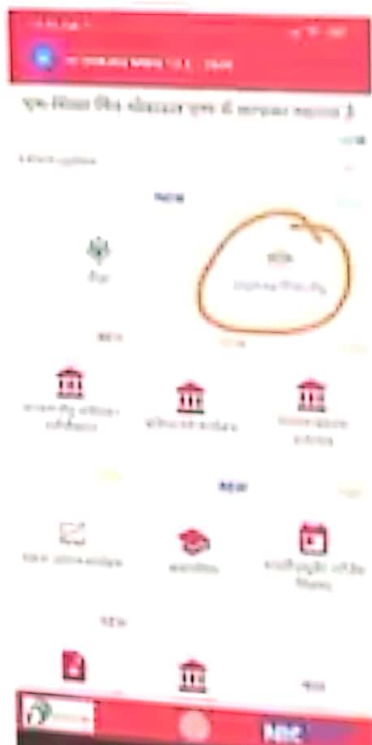
- केवल 68,000 स्कूल हैं जहां से किसी भी शिक्षक ने सप्ताह के किसी दिन छात्रों के साथ संपर्क किया, और इसे फॉर्म में रिपोर्ट किया।
- 17 जिले ऐसे हैं जहां से 50% से कम स्कूलों ने शिक्षक-छात्र के संपर्क की सूचना दी है (इनमें से सबसे कम केवल 17 स्कूल - झाबुआ में हैं)
- 14 जिले जहां कम से कम दो-तिहाई स्कूल शिक्षक-छात्र संपर्क में सक्रिय हैं (शिक्षक छात्रों से जुड़ते हैं) - सबसे अधिक दतिया और हरदा हैं जहाँ 90 स्कूलों में शिक्षक छात्रों से वृहस्पति अध्ययन सामग्री के बारे में करते हैं।
- अच्छा प्रदर्शन करने वाले 5 जिले दतिया, हरदा, पन्ना, नरसिंहपुर और बैतूल हैं जबकि इन मापदंडों पर सबसे खराब प्रदर्शन अलीराजपुर, आमर मासदा, धार, बख्तवानी और झाबुआ है

1. 1 सप्ताह के लिए प्रतिदिन 24 घंटे तक किया गया

शिक्षकों को राज्य से जोड़ने के लिए M- shikshaMitr ऐप पर एक नया मॉड्यूल – 'शिक्षा सेतु'

- अब तक, सभी शिक्षकों को अपने छात्रों के साथ जुड़ने में उनकी प्रगति की रिपोर्ट करने के लिए एक Google फॉर्म भरने के लिए कहा गया था – DigiLEP Bhagidari form
- आज से, हमने इन प्रश्नों को Mshiksha-mitr ऐप पर एक नए मॉड्यूल में स्थानांतरित कर दिया है - शिक्षा सेतु
- कृपया Mshiksha-mitr एप्लिकेशन डाउनलोड करें (सुनिश्चित करें कि आपने ऐप अपडेट कर दिया है), और Shiksha Setu को तुरंत आजमाएं!

शिक्षा सेतु के कुछ चुनंदीदा स्नैपशॉट



- "हमारा घर, हमारा विद्यालय" अभियान की मॉनिटरिंग के लिए जिम्मेदार होंगे और सुनिश्चित करेंगे की अधिक से अधिक बच्चों तक साप्ताहिक समय सारिणी पहुँच रही है और बच्चे उसका लाभ उठा रहे हैं
- प्रतिदिन अपने जिले, ब्लॉक व संकुल के शिक्षकों से चर्चा कर उनसे "हमारा घर, हमारा विद्यालय" अभियान के क्रियान्वयन की जानकारी लेंगे।
- प्रतिदिन गाँव/शहर के एक मोहल्ले/वार्ड/क्षेत्र में कम से कम 05 अभिभावकों से चर्चा कर उन्हें "हमारा घर, हमारा विद्यालय" अभियान के बारे में अवगत कराएँगे तथा बच्चों को उसके अनुसार गतिविधियाँ करवाने हेतु प्रेरित करेंगे।



प्रधानाध्यापक की जिम्मेदारी

- प्रतिदिन अपने विद्यालय के शिक्षकों से चर्चा कर उनसे "हमारा घर, हमारा विद्यालय" अभियान के क्रियान्वयन की जानकारी लेगे।
- प्रतिदिन गाँव/शहर के एक मोहल्ले/वार्ड/क्षेत्र में कम से कम 05 अभिभावकों से चर्चा कर उन्हें "हमारा घर, हमारा विद्यालय" अभियान के बारे में अवगत कराएँगे तथा बच्चों को उसके अनुसार गतिविधियाँ करवाने हेतु प्रेरित करेंगे।
- प्रतिदिन कम से कम 05 बच्चों के घर जाकर उनकी गतिविधियों का अवलोकन करेंगे तथा बच्चेवार रिकार्ड संधारित करेंगे।

राज्य द्वारा प्रदान किया गया समर्थन

- राज्य स्तर से एक **Whatsapp** नम्बर सभी को उपलब्ध कराया जा रहा है इस नम्बर पर छात्रक/शिक्षक/विद्यार्थी अपने विद्यालय लगने, पढ़ने तथा अवकाश के समय के अच्छे फोटो भेज सकते हैं।
- कक्षा 1 एवं 2 के विद्यार्थियों को अभ्यास कार्य हेतु पाठ्यपुस्तक के सह अभ्यास पुस्तिका प्रदाय की गई है।
- कक्षा 3 से 8 के विद्यार्थियों के लिए दशता उन्नयन अन्तर्गत अभ्यास पुस्तिकाएँ प्रदाय की गई है।
- DigiLEP अन्तर्गत सप्ताह के लिए निर्धारित पाठ्यसामग्री निरन्तर प्रदाय की जाती रहेगी।
- DigiLEP के साथ साप्ताहिक गतिविधियों के लिए **Project** कार्य की सूची भेजी जाएगी।
- प्रतिदिन 11:00 से 12:00 बजे तक प्रसारित रेडियो कार्यक्रम **English is Fun** नीचा की दुनिया आदि में बच्चों द्वारा उठा दिन किए जाने वाले अभ्यास कार्य के लिए दिशा निर्देश दिए जाएंगे।
- राज्य द्वारा भेजी जाने वाली साप्ताहिक अध्ययन योजना में समय सारिणी के रूप में उपर्युक्त सामग्री के लिंक और विवरण शामिल होंगे।

धन्यवाद

